

भौतिक डाई

(Compound die)

जिल डाई में दो भा

तंत्र कर्तन संक्रियाएं

उस के एक ही स्टेशन पर मैकेनिकल आघात के सम्पन्न की जा सकें ऐसी डाई को भौतिक डाई कहते हैं। जिलका उपयोग वाशर करने के लिए किया जाता है। रैम के पुन्येक आघात वाशर करने में डाई में एक ब्लैक डाई तथा एक तीखी नेदज पंच रैम के साथ गोल्टी द्वारा कसा जाता है।

ब्लैक डाई के अन्दर दो प्लेटों पर तथा नीचली डाई को दोनो तरों पर कसा रहती है। ब्लैक डाई संक्रिया के लिए एक पंच भी भाते कार्य करती है।

जब रैम नीचे की ओर आता है तो नीचली डाई की वाद्य कर्तन कोरी, इ द्वारा सर्वप्रथम ब्लातु का ब्लैक सम्पन्न होता है। संक्रियाए के अन्त में ऊपरी ब्लैकन डाई के अन्दर लगी हुई

स्पिंग आरित विगलक प्लेट द्वारा वाशर को वाहर की तरफ निकाल लिया जाता है। धातु चादर को

अपने खीसकर फिर रैम के आगे आघात में द्वारा वाशर करने के लिए उसे निचले डाई ब्लाक के ऊपर रखा जाता है तथा उपरोक्त क्रिया पुनः

दोहराई जाती है। इस प्रकार के पुन्येक आघात में एक नया वाशर बनकर तैयार हो जाता है।